 Roll No. ……..

MASL–201

काव्यशास्त्र

एम. ए. संस्कृत (एमएएसएल–12 / 16 / 17)

द्वितीय वर्ष, सत्र 2017

समय : 3 घण्टा पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो तीन (03) खण्डों 'क', 'ख' तथा 'ग' में विभाजित है। शिक्षार्थियों को इन खण्डों में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में चार (04) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. संस्कृत काव्यशास्त्रीय परम्परा में आचार्य मम्मट के अवदान का उल्लेख कीजिए।
2. काव्यहेतु की विस्तृत समीक्षा कीजिए।
3. रस का स्वरूप बताते हुए उसके भेदों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।
4. रसोत्पत्तिवाद की विस्तृत विवेचना कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अलंकार का स्वरूप एवं संख्यात्मक विवेचन प्रस्तुत कीजिए।
2. रूपक तथा उत्प्रेक्षा अलंकारों में सोदाहरण भेद प्रतिपादित कीजिए।
3. भामह अथवा दण्डी का जीवनवृत्त लिखिए।
4. विश्वानाथ अथवा आनन्दवर्धन के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का प्रतिपादन कीजिए।
5. भेदोल्लेख सहित उपमा का सोदाहरण वर्णन कीजिए।
6. श्लेष अलंकार का सोदाहरण लक्षण लिखिए।
7. आचार्य मम्मट का जीवन-परिचय प्रस्तुत कीजिए।
8. काव्य में रस का महत्व क्या है ? संक्षेप में लिखिए।

खण्ड–ग

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ग' में दस (10) वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए एक (01) अंक निर्धारित है। इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सही उत्तर का चयन कीजिए :

1. मम्मट के अनुसार काव्यप्रयोजन नहीं है—
   (अ) यशप्राप्ति
   (ब) अर्थप्राप्ति
   (स) व्यवहारज्ञान
   (द) निपुणताप्राप्ति

2. "तददोषौ शब्दार्थौ सगुणावनलङ्कृती पुनः क्वापि" यह काव्यलक्षण किस ग्रन्थ में है ?
   (अ) काव्यप्रकाश
   (ब) नाट्यशास्त्र
   (स) साहित्यदर्पण
   (द) दशरूपक
3. अधोलिखित में से शब्द-भेद नहीं है—
   (अ) वाचक
   (ब) लाक्षणिक
   (स) वाच्य
   (द) व्यञ्जक
4. आनन्दवर्धन की रचना का नाम है—
   (अ) ध्वन्यालोक
   (ब) काव्यालंकारसूत्राणि
   (स) रसगंगाधर
   (द) दशरूपक
5. अधोलिखित में से शब्दालंकार है—
   (अ) यमक
   (ब) उपमा
   (स) दृष्टान्त
   (द) इनमें से कोई नहीं
6. ध्वनि सम्प्रदाय के संस्थापक आचार्य हैं—
   (अ) वामन
   (ब) भामह
   (स) आनन्दवर्धन
   (द) कुन्तक

7. काव्यप्रकाश में कितने उल्लास हैं ?
   (अ) 05
   (ब) 08
   (स) 10
   (द) 12

8. आचार्य भरत प्रणीत प्रमुख ग्रन्थ का नाम है—
   (अ) काव्यप्रकाश
   (ब) ऋग्वेद
   (स) काव्यालंकारसूत्राणि
   (द) नाट्यशास्त्र

9. रससूत्र के व्याख्याकार नहीं हैं—
   (अ) भट्टलोल्लट
   (ब) भट्टनायक
   (स) अभिनवगुप्त
   (द) याज्ञवल्क्य

10. अधोलिखित में से अर्थालंकार नहीं है—
   (अ) उत्प्रेक्षा
   (ब) अनुप्रास
   (स) निदर्शना
   (द) अतिशयोक्ति